



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY
भाग III—खण्ड 4
PART III—Section 4
प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 75]

नई दिल्ली, मंगलवार, मई 5, 2009/वैशाख 15, 1931

No. 75]

NEW DELHI, TUESDAY, MAY 5, 2009/VAISAKHA 15, 1931

ओटीसी एक्सचेंज ऑफ इंडिया

अधिसूचना

मुंबई, 25 मार्च, 2009

ओटीसी एक्सचेंज ऑफ इंडिया की उप-विधियों/नियमों में संशोधन

सं. 380/09/एल एंड एस/023.—[(1) सेबी के दिशानिर्देशों के अनुसार, उप-विधियों के अध्याय VIII में मौजूदा खंडों 21 से 25 एवं 30 को संशोधित किया जाना है । बोर्ड ने 5 अगस्त, 2008 को आयोजित अपनी बैठक में सेबी के अनुमोदन के अधीन संशोधनों को अनुमोदित किया है, (2) दिनांक 24 अक्टूबर, 2004 के सेबी परिपत्र सं. एमआरडी/डीओपी/एसई/परि-38/2004 और बोर्ड के 5 अगस्त 2004 के अनुमोदन के अनुसार, उप-विधियों के अध्याय XIV-बी में मौजूदा खंड 15 को सेबी के अनुमोदन के अधीन संशोधित किया जाना है ।]

एक्सचेंज सेबी के निर्देशों के अनुसार उप-विधियों/नियमों में अपने निम्नलिखित मौजूदा खंडों को संशोधित करना चाहता है । इस संबंध में आपत्तियां/टिप्पणियां इन संशोधनों के प्रकाशन की तारीख से 15 दिन के भीतर एक्सचेंज को सूचित की जाएं ताकि उन्हें अंतिम अनुमोदन के लिए सेबी के पास भेजा जा सके।

(1) उप-विधियों के अध्याय VIII में खंड 21 से 25 एवं 30 में संशोधन :

अध्याय VIII (खंड)	वर्तमान	प्रस्तावित
21	मार्जिन संबंधी अपेक्षाएं विशिष्ट सौदों, अनंतिम दस्तावेजों में कारोबार और सरकारी सूची में शामिल किसी प्रतिभूति या प्रतिभूतियों में कारोबार ऐसी मार्जिन अपेक्षाओं या ऐसी अन्य अपेक्षाओं जो ओटीसी समिति उसके अलावा या उसके संशोधन में समय-समय पर निर्धारित करे, के अधीन होगा.	मार्जिन संबंधी अपेक्षाएं विशिष्ट सौदों, अनंतिम दस्तावेजों में कारोबार और सरकारी सूची में शामिल किसी प्रतिभूति या प्रतिभूतियों में कारोबार ऐसी मार्जिन अपेक्षाओं या ऐसी अन्य अपेक्षाओं जो सेबी या सम्बद्ध प्राधिकारी उसके अलावा या उसके संशोधन में समय-समय पर निर्धारित करे, के अधीन होगा.

22	<p>मार्जिन का रूप</p> <p>इन उप-विधियों तथा विनियमों के अधीन किसी सदस्य द्वारा प्रस्तुत किया जाने वाला मार्जिन नकदी रूप में जमा किया जाएगा या इसे ओटीसी समिति द्वारा अनुमोदित बैंक की जमा रसीद के रूप में या उसके द्वारा अनुमोदित प्रतिभूतियों के रूप में दिया जा सकता है, जो ऐसे निबंधनों एवं शर्तों के अधीन होगा जो वह समय-समय पर नियत करे जमा नकदी पर कोई ब्याज नहीं मिलेगा और प्रचलित बाजार मूल्य पर मूल्यांकित सदस्य द्वारा जमा की गई प्रतिभूतियां तत्समय उनके द्वारा शामिल की गई मार्जिन राशि से ऐसे प्रतिशत में अधिक होनी चाहिए जो ओटीसी समिति द्वारा समय-समय पर निर्धारित किया जाए.</p>	<p>मार्जिन का रूप</p> <p>इन उप-विधियों तथा विनियमों के अधीन किसी सदस्य द्वारा प्रस्तुत किया जाने वाला मार्जिन नकदी रूप में जमा किया जाएगा या इसे सेबी या सम्बद्ध प्राधिकारी द्वारा अनुमोदित बैंक की जमा रसीद के रूप में या उसके द्वारा अनुमोदित प्रतिभूतियों के रूप में दिया जा सकता है, जो ऐसे निबंधनों एवं शर्तों के अधीन होगा जो वह समय-समय पर नियत करे, जमा नकदी पर कोई ब्याज नहीं मिलेगा और प्रचलित बाजार मूल्य पर मूल्यांकित सदस्य द्वारा जमा की गई प्रतिभूतियां तत्समय उनके द्वारा शामिल की गई मार्जिन राशि से ऐसे प्रतिशत में अधिक होनी चाहिए जो सेबी या सम्बद्ध प्राधिकारी द्वारा समय-समय पर निर्धारित किया जाए.</p>
23	<p>बनाये रखे जाने वाले मार्जिन का मूल्य</p> <p>प्रतिभूतियों के रूप में मार्जिन जमा करने वाले सदस्य ओटीसी समिति की संतुष्टि तक अतिरिक्त प्रतिभूति प्रदानकर उनके द्वारा तत्समय सम्मिलित मार्जिन राशि से अधिक स्तर पर उनका मूल्य हमेशा बनाये रखेगा जो उक्त मूल्य का हमेशा निर्धारण करेगा और जिसका मूल्यांकन समय-समय पर पूरा की जाने वाली किसी कमी की राशि को निश्चायक रूप से नियत करेगा.</p>	<p>बनाये रखे जाने वाले मार्जिन का मूल्य</p> <p>प्रतिभूतियों के रूप में मार्जिन जमा करने वाले सदस्य सेबी या सम्बद्ध प्राधिकारी की संतुष्टि तक अतिरिक्त प्रतिभूति प्रदानकर उनके द्वारा तत्समय सम्मिलित मार्जिन राशि से अधिक स्तर पर उनका मूल्य हमेशा बनाये रखेगा जो उक्त मूल्य का हमेशा निर्धारण करेगा और जिसका मूल्यांकन समय-समय पर पूरा की जाने वाली किसी कमी की राशि को निश्चायक रूप से नियत करेगा.</p>
24	<p>एक्सचेंज द्वारा धारित किया जाने वाला मार्जिन</p> <p>मार्जिन एक्सचेंज द्वारा धारित किया जाएगा और जब वे बैंक जमा रसीदों या प्रतिभूतियों के रूप में हों, ऐसी रसीदें तथा प्रतिभूतियां जमाकर्ता की ओर से किसी अधिकार के बिना या ऐसे विवेक के प्रयोग की मांग करने का</p>	<p>एक्सचेंज द्वारा धारित किया जाने वाला मार्जिन</p> <p>मार्जिन एक्सचेंज द्वारा धारित किया जाएगा और जब वे बैंक जमा रसीदों या प्रतिभूतियों के रूप में हों, ऐसी रसीदें तथा प्रतिभूतियां जमाकर्ता की ओर से किसी अधिकार के बिना या ऐसे विवेक के प्रयोग की मांग करने का</p>

	अधिकार रखने वाले व्यक्तियों की ओर से किसी अधिकार के बिना केवल एक्सचेंज के लिए तथा के खाते ओटीसी समिति द्वारा अनुमोदित व्यक्तियों को या बैंक के नाम में अंतरित की जाएंगी	अधिकार रखने वाले व्यक्तियों की ओर से किसी अधिकार के बिना केवल एक्सचेंज के लिए तथा के खाते सेबी या सम्बद्ध प्राधिकारी द्वारा अनुमोदित व्यक्तियों को या बैंक के नाम में अंतरित की जाएंगी
25	घोषणा पत्र इन उप-विधियों, नियमों तथा विनियमों के प्रावधानों के अधीन मार्जिन राशि जमा करने वाला सदस्य अपेक्षा किये जाने पर ऐसे प्ररूप या प्ररूपों में एक घोषणा-पत्र पर हस्ताक्षर करेगा जो ओटीसी समिति उसके अलावा या उसके संशोधन या प्रतिस्थापन में समय-समय पर निर्धारित करे.	घोषणा पत्र इन उप-विधियों, नियमों तथा विनियमों के प्रावधानों के अधीन मार्जिन राशि जमा करने वाला सदस्य अपेक्षा किये जाने पर ऐसे प्ररूप या प्ररूपों में एक घोषणा-पत्र पर हस्ताक्षर करेगा जो सेबी या सम्बद्ध प्राधिकारी उसके अलावा या उसके संशोधन या प्रतिस्थापन में समय-समय पर निर्धारित करे.
28	मार्जिन जमा करने में विफलता पर निलम्बन ओटीसी समिति किसी सदस्य / डीलर को उप-विधियों, नियमों तथा विनियमों में यथा उपबंधित रूप में मार्जिन जमा करने में उसकी विफलता की स्थिति में एक्सचेंज में कारोबार करने से निलम्बित कर सकता है. ऐसे निलम्बन की सूचना कोटेशन प्रणाली पर तुरंत प्रदर्शित की जाएगी और निलम्बन तब तक जारी रहेगा जब तक अपेक्षित मार्जिन विधिवत् जमा नहीं कर दिया जाता है.	मार्जिन जमा करने में विफलता पर निलम्बन सेबी या सम्बद्ध प्राधिकारी किसी सदस्य / डीलर को उप-विधियों, नियमों तथा विनियमों में यथा उपबंधित रूप में मार्जिन जमा करने में उसकी विफलता की स्थिति में एक्सचेंज में कारोबार करने से निलम्बित कर सकता है. ऐसे निलम्बन की सूचना कोटेशन प्रणाली पर तुरंत प्रदर्शित की जाएगी और निलम्बन तब तक जारी रहेगा जब तक अपेक्षित मार्जिन विधिवत् जमा नहीं कर दिया जाता है.
30	अपवंचन के लिए दंड यदि कोई सदस्य मार्जिन विनियमों से बचने में किसी दूसरे सदस्य की सहायता करता है और उनमें से किसी भी सदस्य को चूककर्ता घोषित किया जाता है तो दूसरा सदस्य चूककर्ता के लेनदारों के लाभार्थ चूक समिति को मार्जिन राशि अदा करने के लिए दायी होगा जो चूककर्ता ने इन प्रावधानों के अनुसार एक्सचेंज के पास अन्यथा	अपवंचन के लिए दंड यदि कोई सदस्य मार्जिन विनियमों से बचने में किसी दूसरे सदस्य की सहायता करता है और उनमें से किसी भी सदस्य को चूककर्ता घोषित किया जाता है तो दूसरा सदस्य चूककर्ता के लेनदारों के लाभार्थ चूक समिति को मार्जिन राशि अदा करने के लिए दायी होगा जो चूककर्ता ने इन प्रावधानों के अनुसार एक्सचेंज के पास अन्यथा

	जमा की होती. ऐसे सदस्य द्वारा इस प्रकार देय राशि ओटीसी समिति / बोर्ड द्वारा उस पर लगाये जाने वाले किसी अन्य दंड के अलावा होगी.	जमा की होती. ऐसे सदस्य द्वारा इस प्रकार देय राशि सेबी या सम्बद्ध प्राधिकारी द्वारा उस पर लगाये जाने वाले किसी अन्य दंड के अलावा होगी.
--	--	---

2. उप-विधियों के अध्याय XIV- बी के खंड 15 में संशोधन :

अध्याय XIV बी	वर्तमान	खंड में प्रस्तावित परिवर्धन
15	निवेशक संरक्षण निधि से अधिकतम देयता	निवेशक संरक्षण निधि न्यास
	ओटीसीईआई के किसी सदस्य / डीलर की चूक के कारण निवेशकों द्वारा वैयक्तिक दावे की राशि की उच्चतम सीमा रु.50,000/- है जिसे निवेशक संरक्षण निधि से पूरा किया जाएगा (दिनांक 24 मार्च 2003 को आयोजित बोर्ड की 63वीं बैठक में पारित बोर्ड संकल्प के अनुसार जोड़ा गया)...	निधि का प्रबंध करने के लिए निवेशक संरक्षण निधि का गठन किया गया और निधि का रखरखाव तथा उपयोग सेबी द्वारा जारी तथा समय-समय पर यथा संशोधित दिशानिर्देशों के अनुसार किया जाएगा.

कृते ओटीसी एक्सचेंज ऑफ इंडिया
मुनेश गोयल, स्थानापन्न प्रबंध निदेशक
[विज्ञापन III/4/असा./69 जैड सी/09]

**OTC EXCHANGE OF INDIA
NOTIFICATION**

Mumbai, the 25th March, 2009

Amendments to the Bye-laws/Rules of OTC Exchange of India

No. 380/09/L & S/023.—[(1) As per the directives of SEBI, the existing clauses 21 to 25, 28 and 30 in Chapter VIII of the Bye-laws to be amended. The Board at its meeting held on August 5, 2008 has approved the amendments subject to SEBI approval. (2) As per SEBI Circular No. MRD/DoP/SE/ Cir-38/2004 dated October 24, 2004 and Board approval dated August 5, 2008 the existing clause 15 in Chapter XIV-B of the Bye-laws to be amended subject to SEBI approval.]

The Exchange proposes to amend its following existing clauses in the Bye-laws/Rules as per the directives of SEBI. Objections/comments in this regard may be communicated to the Exchange within 15 days of publication of these amendments, so that the same can be sent to SEBI for final approval.

(1) Amendments to clauses 21 to 25, 28 & 30 in Chapter VIII of the Bye Laws:

Chapter VIII (Clauses)	Existing	Proposed
21	<p>Margin requirements</p> <p>Dealings in Specific Bargains, Provisional Documents and dealings in any security or securities admitted to the Official List shall be subject to such margin requirements or such other requirements as the OTC Committee may from time to time prescribe in addition thereto or in modification thereof.</p>	<p>Margin requirements</p> <p>Dealings in Specific Bargains, Provisional Documents and dealings in any security or securities admitted to the Official List shall be subject to such margin requirements or such other requirements as the SEBI or relevant authority may from time to time prescribe in addition thereto or in modification thereof.</p>
22	<p>Form of Margin</p> <p>The margin to be furnished by a Member under these Bye-laws and Regulations shall be provided by a deposit of cash or it may be provided in the form of a Deposit Receipt of a Bank approved by the OTC Committee or in securities approved by it subject to such terms and conditions as it may from time to time impose. Deposits of cash shall not carry interest and the securities deposited by a Member valued at the ruling market price shall exceed the margin amount for the time being covered by them by such percentage as the OTC Committee may, from time to time prescribe.</p>	<p>Form of Margin</p> <p>The margin to be furnished by a Member under these Bye-laws and Regulations shall be provided by a deposit of cash or it may be provided in the form of a Deposit Receipt of a Bank approved by the SEBI or relevant authority or in securities approved by it subject to such terms and conditions as it may from time to time impose. Deposits of cash shall not carry interest and the securities deposited by a Member valued at the ruling market price shall exceed the margin amount for the time being covered by them by such percentage as the SEBI or relevant authority may, from time to time prescribe.</p>
23	<p>Value of Margin to be maintained</p> <p>The Member depositing Margin in the form of securities shall always maintain the value thereof at not less than the margin amount for the time being covered by them by providing further security to the satisfaction of the OTC Committee which shall always determine the said value and whose valuation shall conclusively fix the amount of any deficiency to be made up from time to time.</p>	<p>Value of Margin to be maintained</p> <p>The Member depositing Margin in the form of securities shall always maintain the value thereof at not less than the margin amount for the time being covered by them by providing further security to the satisfaction of the SEBI or relevant authority which shall always determine the said value and whose valuation shall conclusively fix the amount of any deficiency to be made up from time to time.</p>

1697 GI/09-2

24	<p>Margin to be Held by the Exchange</p> <p>The margin shall be held by the Exchange and when they are in the form of Bank Deposit Receipts and securities such Receipts and securities shall be transferred to such persons or to the name of a Bank approved by the OTC Committee solely for and on account of the Exchange, without any right whatsoever on the part of the depositing Member or those in its right to call in question the exercise of such discretion.</p>	<p>Margin to be Held by the Exchange</p> <p>The margin shall be held by the Exchange and when they are in the form of Bank Deposit Receipts and securities such Receipts and securities shall be transferred to such persons or to the name of a Bank approved by the SEBI or relevant authority solely for and on account of the Exchange, without any right whatsoever on the part of the depositing Member or those in its right to call in question the exercise of such discretion.</p>
25	<p>Letter of Declaration</p> <p>A Member depositing margin under the provisions of these Bye-laws, Rules and Regulations shall when required to do so, sign a Letter of Declaration in such form or forms as the OTC Committee may, from time to time prescribe in addition thereto or in modification or substitution thereof</p>	<p>Letter of Declaration</p> <p>A Member depositing margin under the provisions of these Bye-laws, Rules and Regulations shall when required to do so, sign a Letter of Declaration in such form or forms as the SEBI or relevant authority may, from time to time prescribe in addition thereto or in modification or substitution thereof</p>
28	<p>Suspension on Failure to Deposit Margin</p> <p>The OTC Committee may suspend a Member/Dealer from dealing on the Exchange, in the event of his failing to deposit margin as provided in the Bye-laws, Rules and Regulations. A notice of such suspension shall be immediately displayed on the quotation system and the suspension shall continue until the margin required is duly deposited.</p>	<p>Suspension on Failure to Deposit Margin</p> <p>The SEBI or relevant authority may suspend a Member/Dealer from dealing on the Exchange, in the event of his failing to deposit margin as provided in the Bye-laws, Rules and Regulations. A notice of such suspension shall be immediately displayed on the quotation system and the suspension shall continue until the margin required is duly deposited.</p>
30	<p>Penalty for Evasion</p> <p>If a Member assists another in evading the margin regulations and any one of them is declared a defaulter the other shall be liable to pay to the Default Committee for the benefit of Creditors of the defaulter, the amount of margin that the Defaulter would have otherwise deposited with the Exchange in accordance with these provisions. The amount so payable by such Member shall be in addition to any other penalty that may be imposed on him by OTC Committee/Board.</p>	<p>Penalty for Evasion</p> <p>If a Member assists another in evading the margin regulations and any one of them is declared a defaulter the other shall be liable to pay to the Default Committee for the benefit of Creditors of the defaulter, the amount of margin that the Defaulter would have otherwise deposited with the Exchange in accordance with these provisions. The amount so payable by such Member shall be in addition to any other penalty that may be imposed on him by SEBI or relevant authority.</p>

2. Amendments to clause 15 in Chapter XIV-B of the Bye-laws:

Chapter XIV B	Existing	Proposed addition to the clause
15	Maximum Liability from Investor Protection Fund	Investor Protection Fund Trust
	The ceiling on the amount of individual claim by investors due to default of a Member/Dealers of OTCEI is restricted to Rs.50,000/-, that would be met out of Investor Protection Fund. (Inserted as per the Board Resolution passed at the 63rd meeting held on March 24, 2003.	Investor Protection Fund Trust was formed to administer the Fund and the Fund will be maintained and utilized as per the guidelines issued by SEBI and as amended from time to time.

For OTC Exchange of India
MUNESH GOEL, Officiating Managing Director
[ADVT. III/4/Exty/69 ZC/09]